ऑरगोलाईफ सोल्यूशनस प्रा० लि०

ऑरगोलाईफ बिजनेस में एशोसिएट से लीडर बनने के लिए नीचे बताई गई बातों पर अमल करे।

क्या न करें!

अगर आप ऑरगोलाईफ बिज़नेस में सफलता प्राप्त करना चाहते है, तो ईश्वर पर विश्वास करते हुऐ अत: नियमित रूप से कार्य करते हुऐ नीचे लिखी बातों पर ध्यान रखें की ऑरगोलाईफ के बिज़नेस में हमें **"क्या नही"** करना चाहिए।

- **नकारात्मक (नेगेटिव) ना बोलें:**

हमने अक्सर देखा है कि कुछ लोग बिज़नेस में अपनी बनी बनाई टीम को अपने ही कारण नेगेटिव कर देते है। मान लीजिये, की आपको कंपनी का कोई प्रोडक्ट्स अच्छा नही लगता है, या बिजनेस प्लान पूरी तरह से समझ नही आया है, तो हमें यह बातें अक्सर अपने ॲप–लाईन या कंपनी के साथ विचार–विमर्श करनी चाहिए, ना कि टीम के साथ। कुछ लोग अपनी यह बातें टीम के साथ विचार विमर्श करते है, जिससे उनकी बनी बनाई टीम खराब और नेगेटिव हो जाती है।

- **"मैं यह नही कर सकता" जैसे शब्दों का उपयोग न करें :**

मैं नही कर सकता जैसे शब्दों का उपयोग कभी न करें। भगवान ने हम सबको एक जैसा बनाया है। अमीरी और गरीबी हमारे कर्मो पर निर्भर करती है। याद रखीये जैसा आप बोलते है, वैसा हो जाता है। अगर आप अपने बारें में अपने परिवार के बारे में और अपने ऑरगोलाईफ बिजनेस के बारे में अच्छा बोलेगें तो अच्छा होगा। अगर बुरा बोलेगें तो बुरा होगा। तो आज के बाद "मै नही कर सकता", "मेरी किस्मत खराब है", "मैं कम पढ़ा लिखा हूँ", इन सब बातों को बंद करते हुए यह कहें – "मैं कर सकता हूँ", मै करके रहूगाँ", "I Can Do It", "I will Do It"…

- **गलतियाँ न निकालें :**

अच्छे लिडर कभी दूसरों में गलतियाँ नही निकालते है, और न ही गलतियों में उलझते हैं। अगर कोई समस्या या परेशानी आती है तो अच्छे व महान लीडर केवल उसका हल निकालते है।

- **किसी को नीचा मत दिखायें :**

ऑरगोलाईफ बिज़नेस में हम सब अपने बिजनेस के खुद मालिक है। इस बिज़नेस में कोई भी, ॲप–लाईन या ग्रो–लाईन किसी का भी बॉस या कर्मचारी नही है। इसलिए हमेशा ध्यान रखें कभी अपनी टीम में लोगों को तथा अपनी ॲप–लाईन को नीचा दिखाने की कोशिश न करें, क्योंकि जो फसल हम बोयेंगे वही हमें काटने को मिलने वाली है।

- **चरित्र न गिरने दें :**

ऑरगोलाईफ बिज़नेस एक पारिवारिक बिज़नेस है। इस बिज़नेस में हमारी मातायें, बहने और बेटियाँ सभी आते है। इसलिए हमेशा ध्यान रखें कि किसी महिला के साथ अभद्र व्यवहार न करें। हमेशा महिलाओं के लिए दीदी, माता जी जैसे शब्दों का ही प्रयोग करें। अगर कोई डिस्ट्रीब्यूटर किसी महिला डिस्ट्रीब्यूटर के साथ अभद्र व्यवहार करता है, तो कंपनी उस पर अनुशासनात्मक कार्यवाई कर सकती है।

- **सिगरेट व शराब आदि को बिजनेस में शामिल न करें :**

ऑरगोलाईफ की मिटिंग या सेमिनार में सिगरेट या शराब पीकर आना सख्त मना है। वैसे भी अपनी निजी जिंदगी में अगर इन सब चीजों से दूर रहें तो यह हमारे शरीर और स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है तथा परिवार भी सुखी रहता है। इसलिए हमें दन चीजों से दूर रहना चाहिए।

- **उधार न करें :**

ऑरगोलाईफ बिज़नेस परी तरह से नकद लेन–देन पर चलता है। इसमें हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि कभी भी हमें अपनी ॲप–लाईन, ग्रे–लाईन, स्टॉकिस्ट व सुपर स्टोकिस्ट इत्यादि से उधार का लेन–देन नही करना चाहिए, इससे हम सभी की इज्जत बनी रहती है।

- **बहस न करें :**

ऑरगोलाईफ का बिज़नेस एक नये तरीक का बिज़नेस है, इसलिए हमें किसी को भी बिज़नेस समझाते हुए किसी नए व्यक्ति या किसी डिस्ट्रीब्यूटर से किसी भी प्रकार की बहस नही करनी चाहिए। बहस से अक्सर बातचीत बिगड़ जाती है, बहस सिर्फ आपको उस मुद्दे पर जीत दिला सकती है लेकिन उस व्यक्ति को आप खो देते हो। और हम बिज़नेस करने के अवसरों से हाथ धो बैठते है।

- **"मैं सब जानता हूँ": न कहें :**

ऐसे शब्दों का प्रयोग नही करना चाहिए। दरअसल यह पूरा जीवन ही सीखने के लिए कम होता है। हर इंसान अपने रहते जीवन भर कुछ न कुछ सीखता रहता है। जो लोग कहते है "मै सब जानता हूँ" दरअसल वे कुछ भी नही जानते। उनके अंदर की ईगो और अहम ही उनसे ऐसी बातें कहलवाता है।

➢ **"अपने नियम लागू न करें :**

हमने अक्सर देखा है कि कुछ डिस्ट्रीब्यूटर अपनी ग्रो–लाईन पर कुछ अपने नियम लागू कर देते है। हम सब को कंपनी के सिस्टम के अनुसार ही काम करना चाहिए अतः अपने बनाए नियम लागू नही करने चाहिए।

➢ **गुस्सा न करें :**

अगर आप जीवन मे सफलता पाना चाहते है तो कभी भी गुस्सा न करें। गुस्से में अक्सर हमारी सोचने–समझने की शक्ति नष्ट हो जाती है। गुस्से मे आकर हम दूसरे लोगों को बहुत कुछ ऐसा बोल देते है, जिसका हमें बाद में बड़ा नुकसान हो जाता है।

➢ **लेग पुलिंग न करें :**

ऑरगोलाईफ बिज़नेस ईमानदारी और विश्वास पर चलता है। इसमें कभी भी हमें किसी दूसरी ग्रुप के साथ छेड़छाड़ नही करनी चाहिए। हमने अक्सर देखा है कि कुछ लोग दूसरों के ग्रुप में जाकर छेड़छाड़ करते है और दूसरे ग्रुप के लोगों को उकसाते है कि तुम मेंरे ग्रुप में आ जाओ। जितना समय वह दूसरों के ग्रुप को तोड़ने में लगाते है, अगर उतना समय वह अपने ग्रुप को चलाने में लगाते तो सफल हो जाते। कंपनी के नियमों के अनुसार अगर कोई डिस्ट्रीब्यूटर किसी दूसरे स्थान पर ज्वाईन करता है तो उसकी दूसर ज्वाईंनिग वाली आई० डी० टर्मिनेट हो जाती है। इसलिए यह ध्यान रखना चाहिए कि आपको अपनी क्रॉस–लाईन को लाईफ–लाईन समझते हुए, एक दूसरे की मदद करते हुए और भाईचारा बढ़ाते हुए बिज़नेस को आगे बढ़ाना चाहिए।

➢ **डॉऊन–लाईन न कहें :**

हमेशा ध्यान रखें जो लोग आपके ग्रुप में जुड़ते है, उन्हें हमें डाऊन–लाईन नही कहना चाहिए। आप खुद ही सोचे कि जिस व्यक्ति के कारण हमें इन्कम आती है, जिसके कारण हमारे सपने पूरे होने वाले है, क्या हमें उसको "डाऊन" कहना चाहिए? अपने ग्रुप के लोगों को हमेशा ग्रो–लाईन कह कर ही पुकारें।

➢ **रोते हुए बच्चे मत बने :**

हमने देखा है कि कुछ लोग अपना बिज़नेस न चलने के कारण अक्सर रोते रहते है। अतः वह अक्सर कहते रहते है कि मेरी ॲप–लाईन खराब है, कंपनी के प्रोडक्ट्स ठीक नही हैं या फिर कहते हैं कि मेरा भाग्य ही मेरे साथ नही है। आप जरा सोचिए कि क्या आप को अपने रोते हुए बच्चे अच्छे लगते है? नही न। इसलिए रोना–धोना छोड़िए और जिंदा दिल बन कर आने काम में जुट जाईए। भगवान का आर्शीवाद और कंपनी का पूरा सिस्टम आपके साथ है।

➢ **कभी भी मैदान न छोड़ें :**

सफलता पाने के लिए हमेशा याद रखें कि जीतने वाले कभी मैदान नही छोड़ते है, अतः मैदान छोड़ने वाले कभी जीता नही करते। अगर आप जीवन में सफल होता चाहते हैं ता एक बार अपना लक्ष्य निर्धारित करने के बाद कभी भी बीच रास्ते में मैदान न छोड़े। साथ ही यह भी ध्यान रखें कि सुलता केवल उन्हें मिलती है जो केवल एक को मानते है, एक को जानते है, और एक के ही होकर रहते है।

एक बार एक बिल्डिंग में आग लग गई। उस बिल्डिंग में बारहवीं मजिंल पर एक फ्लैट में दो दोस्त रहा करते थे। जब उन्होनें देखा कि बिल्डिंग में आग लग गई है तो वह बिल्डिंग से बाहर निकलने के लिए भागे, पर चारें ओर आग ही आग थी। अब उनके सामने सिर्फ एक ही रास्ता था कि वह बारहवीं से नीचे कूद जाएँ। दोनों ने एक दूसरे की और देखा और निर्णय किया कि भगवान् का नाम लेकर नीचे कूद जाते है, भगवान् हमें बचा लेंगें। ऐसा सोचकर दोनों ने छलाँग लगा दी। पर एक दोस्त बच गया और दूसरा दोस्त मर गया। मर कर जब वह भगवान् के दरबार में में पहुँचा तो उसने भगवान् से शिकायत की – उसने कहा– "प्रभु! मैं भी तो राम–राम कह रहा था" तो भगवान् ने कहा अच्छा! ते भगवान् राम वहाँ बैठे है उन्हीं से पूछ लो कि उन्होनें तुम्हें क्यों नही बचाया?

उसने भगवान् राम के पास जाकर वही सवाल पूछा कि उन्होनें उसे क्यों नही बचाया तो भगवान् राम बोल – "भई मैं तो तुम्हें बचाने चल दिया था लेकिन तभी तुमने "जय माता दी" बोलकर माता जी को बुला लिया। बुलाया था कि नहीं? युवक ने कहा– "हाँ बुलाया था"। तो भगवान राम बोले – "वे बैठी है माता जी, जाओ उन्हीं से पूछ लो"। तब वह युवक माता जी के पास पहुँचा और उनसे भी वही सवाल पूछा। माता जी ने जवाब दिया – "मैं तुम्हें बचाने के लिए चली ही थी कि तुमने "जय बजरंग बली" बोल कर हनुमान जी को बुला लिया। बुलाया था कि नहीं? युवक ने कहा– "हाँ बुलाया था"। माता जी बोली – इसलिए मैं रूक गई। हनुमान जी गयें थे तुम्हें बचाने उन्हीं से पूछों तुम्हें क्यों नही बचाया? तब उसने जाकर हनुमान जी से वही सवाल पूछा तो हनुमान जी ने जवाब दिया – "मेरे बच्चे जबतक मैं तुम्हारे पास पहुँचता तब तक तुम नीचे गिर चुके थे और अब यहाँ ऊपर पहुँच चुके हो"।

दोस्तों इसका अर्थ यह है कि एक दोस्त ने सिर्फ एक पर ही भरोसा किया इसलिए वह बच गया। जबकि दूसरा दोस्त कभी किसी को बलाता तो कभी किसी को, इसी कारण वो बच नही पाया। इससे हमें यह शिक्षा मिलती है कि बात चाहे भगवान् को पाने की हो या जीवन अथवा बिज़नेस में सफलता पाने की, सिद्धांत एक ही है। हमने देखा है कि कुछ लोग अक्सर कंपनियाँ बदलते रहते है। वे किसी भी कंपनी में सफल नही हो पाते। दोस्तों, अगर आप ऑरगोलाईफ बिज़नेस में है, तो आपको अपने भगवान् पर, अपने ऑरगोलाईफ बिज़नेस पर और आपने आप पर दृढ़ विश्वास होना चाहिए कि आप अपने ऑरगोलाईफ बिज़नेस में कामयाब हो रहे हैं और कामयाब होकर रहेंगें। दृढ़ निश्चय और एक जगह टिकने से ही सच्ची सफलता पाई जा सकती है।

धन्यवाद

ऑरगोलाईफ सोल्यूशनस प्रा० लि०